

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं∘ 2.39}

नई विल्ली मंगलबार. जुम 14, 1977/ज्येष्ठ 24, 1899

No. 2391

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 14, 1977/JYAISTHA 24, 1899

इस भाग में भिन्न पष्ठ संख्या वी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलम के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 14th June 1977

S.O. 392(E)/15/IDRA/77.—Whereas the industrial undertaking known as Messrs Indore Textile Mills Limited, Ujjain, is engaged in a scheduled industry, namely, Cotton Textile industry

And, whereas, the Central Government is of the opinion that there has been a substantial fall in the volume of production in respect of the articles manufactured in the said industrial undertaking, for which, having regard to the conditions prevailing there is no justification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making a full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of.—

Chairman

1 Shri S K. Sharma, Commissioner, Ujjain Division, Government of Madhya Pradesh

Member

2 Shri A. B Surte, Joint Director (Accounts), Office of the Regional Director, Company Law Department, 'Everest', 100, Marine Drive, Bombay.

Member Secretary

3. Shri C. K. Phadke, Director, Office of the Textile Commissioner, New Marine Lines, Bombay

[No F. 3/5/77-CUC]

A. K. GHOSH, Addl Secy.

उद्योग मंत्रालय (ब्रौद्योगिक विकास विभाग)

श्रादेश

नई दिल्ली, 14 जुन, 1977

कार बार 392 (ब्र) / 15 बाई डी ब्राए ए 77 -- मैसर्स इन्दौर टेक्सटाइल मिल्स लि०, उरुजैन नामक श्रौदयोगिक उपक्रम श्रनसुचित उदयोग श्रथीन मृती कपड़ा के सामान के उद्योग में लगा है।

भौर केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उक्त श्रौदयोगिक उपक्रम में विनिर्मित वस्तुश्रों के उत्पादन की मात्रा में पर्याप्त कभी हुई है जो विद्यमान दशाश्रो को घ्यान में रखते हुए त्यायोचित नहीं है।

म्रतः, म्रबः, केन्द्रीय सरकार, उदयोग (विकास भौर विनियमन) म्रधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 दवारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस मामले की परिस्थितियों का समस्त ग्रौर संस्पूर्ण ग्रन्वपण करने के प्रयोजन के लिए व्यक्तियों का एक निकाय नियक्त करती है, जिसमे निम्नलिखिन व्यक्ति होगे .---

ग्रध्यक्ष

- । श्रीएस० के० शर्मा. कमिश्नर, उज्जैन डिबीज , मध्य प्रदेश सरकार । सदस्य
- 2 श्रीए० बी० सूरते सयक्त निदेशक (लेखा), प्रादेशिक निदेशक का कार्यालय, कम्पनी कानन विभाग, एवरेस्ट, 100, मेरीन ड्राइव, बम्बई । सदस्य सचिव
- श्रीसी० के० फड़के. निदेशक, टक्सटाइल कमिश्नर का कार्यालय, न्य मेरीन लाइन्स, बम्बई

| **स**ं फा॰ 3/5 77-सी॰ यु॰ सी०] ग्रहण कुमार घोष, ग्रपर सचिव ।

महा प्रवन्धक, भारत सरकार मृद्रणालय, मिन्टों रोड, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977